(लूनी नदी → नागपहाड़ (अजमेर) से निकलकर नागौर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर में बहकर कच्छ के रन (गुजरात) में विलुप्त हो जाती है

* प्रमुख टाट →

1. जैसलमेर → बरमसर, भाकरी, पोकरण, कनोड़।

2. जोधपुर → (सबसे बड़ा) बाप, थोब।

2. अरावली प्रदेश

* अरावली विश्व की प्राचीनतम वलित व अवशिष्ट पर्वतमाला है। जिसका उद्भव लगभग 65 करोड़ वर्ष पूर्व प्री कैम्ब्रियन युग में माना जाता है।

* अरावली की तुलना अमेरिका के अप्लेशियन पर्वत (USA) से की जाती है।

* अरावली के लिए पुराणों में "पारियात्र" शब्द का प्रयोग किया गया।

* अरावली का विस्तार भारत के उत्तर-पश्चिम दिशा में है।

* भारत में विस्तार →

पालनपुर (गुजरात), राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली (पालम रायसीह पहाड़ियाँ)

कुल लम्बाई – 692 km.

* राज्य में विस्तार →

खेडब्रह्मा (गुजरात), सिरोही (NCERT-7 जिलों में) से खेतड़ी झुंझुनू तक

कुल लम्बाई – 550 km

* कुल अरावली का लगभग 80% भाग राजस्थान में है।

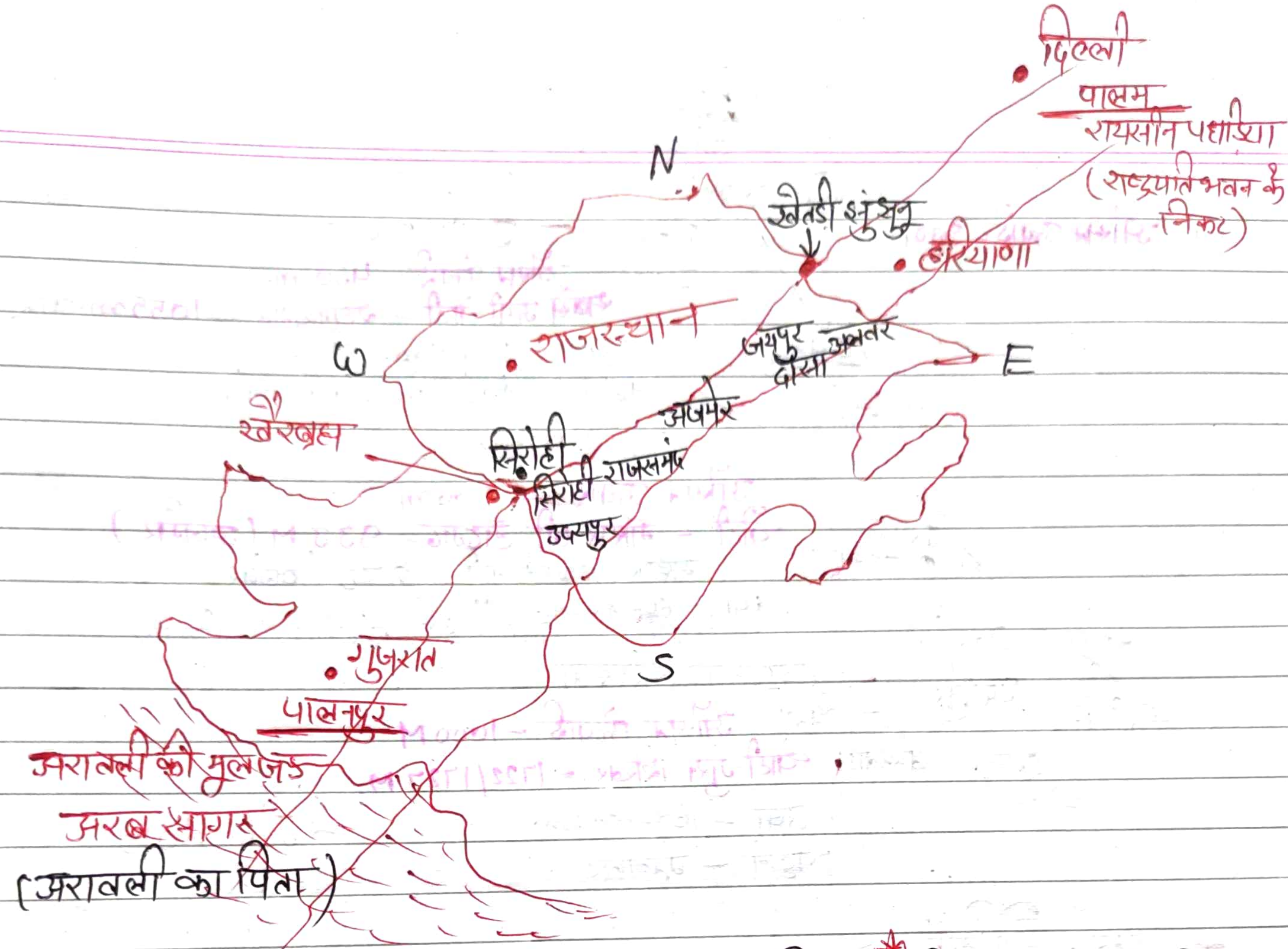

* राज्य में अरावली का विस्तार दक्षिणी-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (या) उत्तर-पूर्व - दक्षिण - पश्चिम की ओर है।

* अरावली का सर्वाधिक विस्तार दक्षिण-पश्चिम दिशा में है।

* *सर्वाधिक विस्तार उदयपुर व न्यूनतम विस्तार अजमेर में है। जबकि सर्वाधिक औसत ऊंचाई माउंटआबू (सिरोही) व न्यूनतम औसत ऊंचाई पुष्कर (अजमेर) है।

Note → अरावली की औसत ऊंचाई – 930 m.

* राज्य में विस्तार के आधार पर अरावली को 3 भागों में विभाजित किया जाता है—

500 किमी अरावली चोटी
कम वाले पर्वत

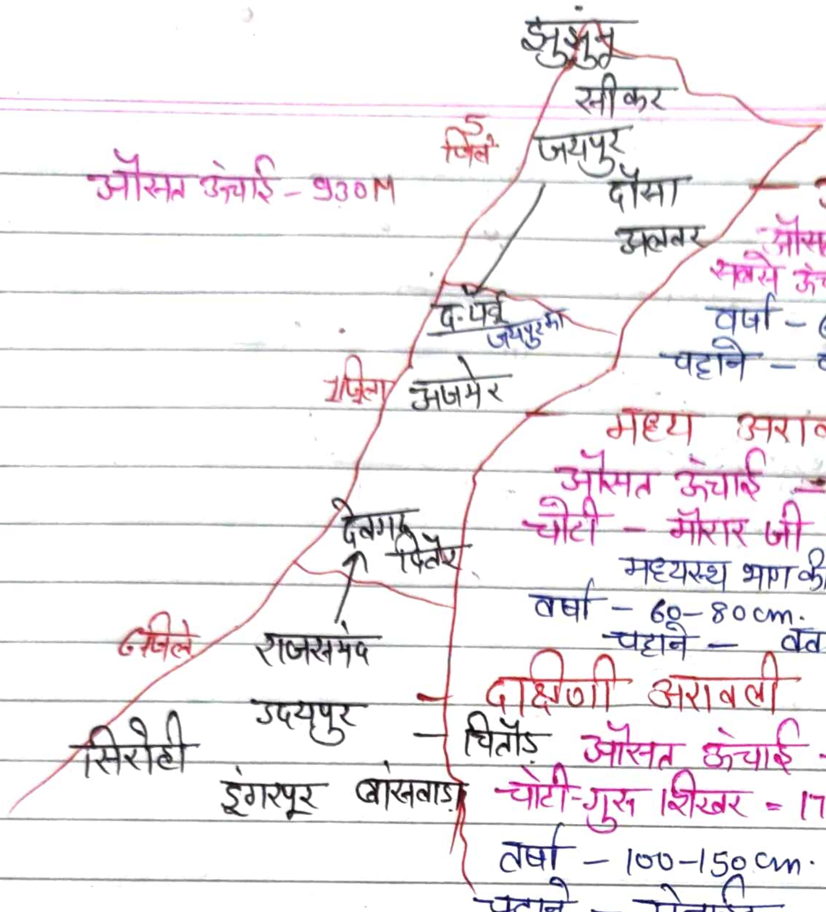

औसत ऊंचाई - 930M

उत्तरी अरावली
औसत ऊंचाई - 450 m.
सबसे ऊंची चोटी - रघुनाथगढ़ - 1055 m सीकर
वर्षा - 60-80 cm.
चट्टाने - क्वार्टजाइट, फाईलाईट

मध्य अरावली
औसत ऊंचाई - 700 m.
चोटी - मोरार जी टॉडगढ़ - 933 M (अजमेर)
मध्यस्थ भाग की चोटी तारागढ़ - 873 (अजमेर)
वर्षा - 60-80 cm.
चट्टाने - क्वार्टजाइट, संगमरमर, ग्रेनाईट

दक्षिणी अरावली
औसत ऊंचाई - 1000 M
चोटी - गुरु शिखर - 1722/1727 M.
वर्षा - 100-150 cm.
चट्टाने - ग्रेनाईट

5 July 2019.

* प्रमुख चोटियाँ →

1. गुरु शिखर (मान्य 1722/1727) → मांउटआबु सिरोही
   - कर्नलजेम्स टॉड ने इसे "संतो का शिखर" कहा है।
2. सेर → 1597 M - सिरोही
3. दिलवाड़ा → 1442 M - सिरोही
4. जरगा → 1431 M - उदयपुर
5. अचलगढ़ → 1380 M - सिरोही
6. कुम्भलगढ़ - 1224 M - राजसमंद
7. धौनियाँ - 1183 M - उदयपुर

खो (चोटी) - जयपुर
खो (पर्वत) - (अलवर)

8. जयराज - 1090 M - सिरोही
9. रघुनाथगढ़ - 1055 M - सीकर
10. मालखेत - 1052 M - सीकर
11 लोहार्गल - 1051 M - झुंझुनू
12. ऋषिकेश - 1017 M - उदयपुर
13. कमलनाथ - 1001 M - सिरोही
14. मोकडमगरा - 989 M - उदयपुर
15. सज्जनगढ़ - 938 M - उदयपुर
16. मेरार जी टाडगढ़ - 933 M - अजमेर
17. खो - 920 M - जयपुर (पर्वत अजमेर) *
18. तारागढ़ - 873 M - अजमेर
19. इसराना भाखर - 839 M - जालौर

* प्रमुख पहाड़ियाँ व पर्वत :→

1. स्यानड की पहाड़ी - (चुरू)
2. लोहार्गल श्रेणी - झुंझुनू
3. मालखेत पहाड़ियां - सीकर
4. हर्ष की पहाड़ियां - सीकर
5. खो पर्वत - अलवर
6. बैराठ की पहाड़ियां - जयपुर
7. शील की डूंगरी - जयपुर
8. मोती डूंगरी - जयपुर
9. नागपहाड़ - अजमेर
10. टाडगढ़ पर्वत - अजमेर
11. तारागढ़ पहाड़ी - अजमेर
12. सुन्धामाता पर्वत - जालौर
13. सिवाणा पर्वत - बाड़मेर
14. नाकोड़ा पर्वत - बाड़मेर
15. छप्पन की पहाड़ियां - बाड़मेर *
16. छप्पन पर्वत - उदयपुर

नटनी का चबूतरा – पिछोला झील के पीछे
गणेशघाटी दर्रा – बूंदी

17 भाकर पहाड़ियाँ – सिरोही
18 गिरवा पहाड़ियाँ – उदयपुर
19. चिड़ियाटूक पहाड़ी – जोधपुर (मेहरानगढ़)
20 त्रिकुट पहाड़ी – जैसलमेर (सोनारगढ़)
21. त्रिकुट पर्वत – करौली
22. आड़ावाला पर्वत – बूंदी
23. भद्राजुन पहाड़ियाँ – जालौर + सिरोही
(ज्यादा भाग)

* अरावली के प्रमुख दर्रे व नाल :→

1. कचवाली दर्रा
2. सखपाघाट दर्रा
3. पीपली दर्रा
4. देवारी

(1–4) – अजमेर + जोधपुर को जोड़ते है

5. परवारिया दर्रा – मसुदा + अजमेर
6. बर दर्रा – बर शहर (पाली) + अजमेर
7. गणेश घाटी – बूंदी
8. गोरमघाट दर्रा
9. खामली दर्रा

(8–9) पाली + राजसमंद

10 केवड़ा की नाल – उदयपुर
11. फुलवारी की नाल – उदयपुर
12 हाथी नाल – उदयपुर
13. हाथीगुडा की नाल – कुम्भलगढ़ + राजसमंद
14. देसुरी की नाल – पाली + राजसमंद

* अरावली के महत्वपूर्ण तथ्य :→

* अरावली पर्वतमाला में सर्वाधिक *देहली क्रम की चट्टाने मिलती है, देहली क्रम के पश्चात *'अरावली सुपर ग्रुप'

की सर्वाधिक चट्टाने मिलती है।

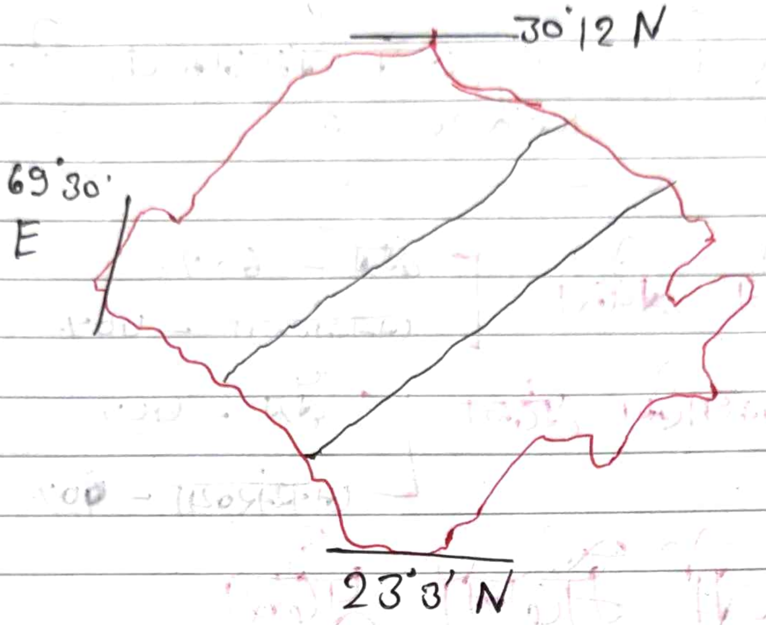

* अरावली पर्वतमाला का अक्षांशीय विस्तार 23°20' – 28°20' उत्तरी अक्षांश जबकि 72°10' – 77° पूर्वी देशांतर के मध्य है।

* राज्य का सबसे ऊंचा पठार उड़िया का पठार माउन्ट आबू (सिरोही) में स्थित है। (1360)

* लसाड़िया का पठार (उदयपुर) व मेसा का पठार (चित्तौड़) इसी पठार पर स्थित है।
* गोगुन्दा से कुम्भलगढ़ के मध्य भोराठ का पठार विस्तृत है।
* सिरोही – उदयपुर व डूंगरपुर का वह भाग जिसमे भील जाति सर्वाधिक निवास करती है भोमट कहते है।

* उदयपुर की तश्तरी नुमा पहाड़ियाँ गिरवा कहलाती है।
* पूर्वी सिरोही की तीव्र ढाल वाली पहाड़िया भाकर कहलाती है।
* जरगा व रागा पहाड़ियो के मध्य का भाग जो सर्वे